



८५४७॥९

दनमया उयदिय ना उयदिय नीजा रुध्मा न १ स्वसम ना उय
 दिय च उ विदिगं रुवन वा उयदिय श्री खद्यु य प्रयु ॥ ॥
 दित्त दत्त यथा नियन लक्ष्मि यथा चिय सफ जंदा द व च्चि याम
 १ अ व व ना उ दिचिय साय कंचका सनिक व निधि निधि न वा द
 यकि ॥ ॥ गु व च व शि व व रं रु ग कि य प्रि ला व ना स नः

५६३

वि न्मो ना दि ॥ २

क स म उ द क य प्रि सं य प्रि पू जा १ पु न व य प्रि ला य धि स क य प्रि य
 प्रि कं रु व अ ल वि सं क व ल स रु रु क ॥ ॥ वा ग रु व वी ॥ ॥
 र नि र्मा ना दि च रु य छि द व स वा कं लं स भ ग रु का दि वी रु ना द व
 यि १ स मि व य प्रि क ल लि ता भ ग मि नि न व नि र्मा ना य य जा य रं
 नू यी ॥ ॥ उ न मा मि द वी श्री व रु वि वा मि नि रु रु व ह व नि

^{दश}
 खसमस्तान्नयौश आदियानय ^१ शित्रीकामययथीहकमुवि
 इमधुलनृत्ययकि ॥ ॥ वसदवसयान्नहवधमचिक
 वादशदलजैवैसंरुगवकुं २ वाकोसरुदलकमलमहासखत्र
 कहेकात्रययथीहन्नकनाधुं ॥ दहमिजिनविशाविहिरुयां
 विनि. सर्वहमकधायानादयथीशयिथादिदसहमिसगरु
 थो

पञ्जनिजिनज्ञानदायनीविप्रध्वत्री ॥ ॥ दय्यधपुकि
 विम्वजलनैवडा यसा बहिनिशिधमवन्नवजदवी २ ऊर्माज
 समानुदुंइयायसप्रथगंकि. दर्नकिनासनमा कयुदा ॥ ॥
 ॥ वागज ~~ध~~ ~~व~~ ~~वी~~ ॥ ॥ गवदहनयधरुहानसायय २ य
 क्षमरुनययधसात्रिपूजिया ॥ ॥ ॥ रुकदवावप्रियाय

वि
 द
 ॥ ३

२ वृत्ता गिनी ॥ ३

श्रीरुवनवाजा १ विप्रमेत्राय च समर्प्य जान २ ॥ ॥ विप्र
 विप्रश्च प्रसह ऊ जान २ कलंकमना मनहृदया जान २ ॥
 ॥ यच्च ३ वृ ५ यच्च ३ स्कंधसात्रय २ दवास्त्र नत्रयुमदितहृदया
 ॥ ॥ ३ ना १ हं श्रीं खं धनक निह्य २ ५ म नू च ग्ग १ धनि वि
 व जान २ ॥ ॥ नागकर्णदि ॥ षठजागिनी दवी पिउव

नव्यामिनी २ विष्णुमानदसुदर्यनवीनासिनी ॥ ५ ॥ नमामि
 २ देवी श्री कज्जवावाही २ अद्रि सिद्धिदायनी ऊगनऊननी ॥
 ॥ पूर्वदत्रगतदवीनकवर्धनी २ ॐ नव्यामिनी देवी नीः
 लवदनी ॥ ॥ वायुवमाहिनी देवी सिगवर्धनी २ यद्रि
 मसंवादिनी देवी ॥ गेलवर्धनी ॥ ॥ नमो नमो संवादिनी ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

निदवीहनिगवर्षरा २दहनचंडिकादवीधुमवर्षगी॥
॥चउहृऊनकाननयचमूडातनुता२स्वस्यबीजसमेवन
वनसंदिगम्यना॥ॐ॥नागदेववी॥ओआ४हृदस्वा
हाअनेतनस्वाहामकुउचान॥हान२यूजायूजकयूजलाव
नत्वस्यनूपवनीलावा॥धु॥खखखाही२वलिपूतलघ२

घाटय२विघ्नहृन२यंचामियात्रसयंचसात्रिन२यंचशान
सर्वनीना॥ ॥सर्वऊऊनारुसहृतप्रतापि॥आत्मादा
पस्मान२जकजकिनीदूयिअसूधममन॥ॐमंबलिगु
ऊंउन॥ ॥दानपति२सर्वकार्यगतत्वयासर्वसर्वसंय
तिसांऊन२य२थेवग२थेवहृऊ२थेपीवथेजि२थेथमाहृक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मथन॥ ॥ समग्रवक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः
साक्षिनं श्वा संसात्रतथागतवचनं सर्वसिद्धिसंयदवृद्धि
न॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जनील जनील जनील जनील जनील
आमनमलुलवक्रनाया श्वकपंजलसत्रजानसंयत्रित
विमनमलुलवक्रनाया ॥ ५ ॥ समग्रवक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः

नूनभालिंगमहद्वक्ररुदानपातिनं सर्वसिद्धिसंयदः
समग्रवक्ररुदानपातिनं ॥ ॥ युयुसंविनं वीनवचनसंजहि
जहितहि जहितहि जहितहि जहितहि जहितहि
दसद्वीमीनं वियवयं संहाव ॥ ॥ विरुवक्ररुदानपातिनं
नायनतनाग विरुवक्ररुदानपातिनं वीनहं विना शक्तिनिरुव

金剛

श्रुतामृतमयं ॥ ५३ ॥ चंद्रामृतमयं वाधिरुल्लदायकं सर्व
 जिनव्यापितं सहजकलर्षं ॥ जगत्तमलं धर्मधिरुल्लदायः
 कनूना लावसं सलनामनवीनरुद्रयं ॥ ॥ वज्रयत्रमा
 नमयं गंधावर्षं रुद्रं संवेष्टं धितं पंचपियुषं ॥ रुद्रका
 मरुतपूष्यश्रगवद्भुवज्जसंत्युपितं विद्याककलर्षं ॥ ॥

घटमल्यकनसफययहाकआरुषमंदाकिनीजलनूर्यर
 मगिठिसाधननददगावकंज्ञानसत्वमानीयहृद्विज
 कलवी॥ ॥याद्यादिआचमनदानपूयनसर्वसम
 याचकप्रवसितंवीमलकलसं२महानाष्टाद्विहय
 धाधिविरुनूर्यसमयसत्वज्ञानसत्वकीरुनं॥॥॥

नकवर्ष॥२

॥नागनाठ॥नकवर्षदिनित्वायनसंदनिश्चरुसंगद
 धारुजुरुलनहनकीवन॥॥॥उमदवीवानुनीमहा
 मामकीदवी२जगतहप्रभाहादिनमयनहसुनाग॥
 ॥आगमबदपुनानहर्षान२यागधर्मदिकारुनुउयद
 स॥ ॥यंचवर्षस्यननूर्यरुमउम२सयानरुयागि

不

नीमाभ्यहृन्वहंउहृन्व॥ ॥समगुद्वचनदाशीलग
गधनियाश्हनयिनीवाकवज्जनहृत्स्वनयी॥ॐ॥
नागलेनवी॥नमस्तुभूकावेननूपधनुश्चरुविमलः
उताधनु॥ॐ॥तनाहृतनाहृतनानागतहृतहृत॥ ग
दयाआलिङ्गनजागधनुश्चरुचपुष्याधीधनु॥

॥ १० ॥

धवनसूतं वृत्तदहधनूरुसनयससाहियवडमनू॥
मायादरुनीनजंगु २ साहिचकनून सत्वमहं ॥ ३० ॥
नागशृंग नमालथी ॥ शिवक्रनविष्ठासिमलु लमाभ्य
थिगिजातनुसूनिधिवा २ वडवा नाही आनी गन सम्य
वना नाना रस्मिमहाकुला ॥ ध ॥ मना हूं मना हूं मना हूं

॥ नीलवर्ध चतुर्वर्ध पतिमूर्धनि नयं यनम
 आनन्दमूर्तिधरा २ विष्णुवर्ध चतुर्वर्ध मकूटधरा
 हाज आनन्दनसहातिगा ॥ ॥ वज्रपद्मगजवर्मज
 मुखद्वारागवीनमा आनन्दमूर्तिधरा २ कर्तिकयालय
 नसूयाय विमलवर्धनी लं धराया पुत्रवर्मै कर्तिकवर्ध

ता ॥ ॥ दिगं विदिर्गकाका ॥ दिजमजकिनीद्व
 सरुजानन्दमूर्तिधरा २ नमामि २ श्रीचक्रसंम्वरम
 कुरुवृत्रराजाराधिगा ॥ ॥ वागवा ॥ हाज हन
 हाजियायि न सम्वरधनयिकवानि ॥ लल ॥ २ ॥
 श्रवानकमलिया मूतानं मकूटक ॥ दिगम्यवा ॥

२ ललितनयनः ॥ ११

॥ नमन भावुव सम्व नलाया समल हृदलि भावु काल
रुम विना ही नी कज वा ना ही रुं जाम हिया भावु सा या
॥ ॥ अलि गाय न व्र द सह मय म कर्षु व ह व यि
नं वा ला र ग ग न नी ला व र्णु वं धि न जा ज म नू म र्णु ल ह
व नी ना ॥ ॥ प्रियं ध उ वा त हं शु दिं ग ल स म्व न थ

यिसयिषुन्यएकाला २८ म विनाहिनीवजवागहीव
प्रविनूदयमिजुंधात्वा ॥ ॥ गभ्रगिलिलावजवा
लियाउलसगुवूवनेलआत्राध२समयाआनदय
लिगलमलसम्वनवजवागही ॥ ॥ ॥ नागक
दी॥ विहषुवाययिऊागिनीदहकवालिश्कमल

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ विविदि ॥ १३

शुभविशिनिरुतजा ॥ १४

लिंगकाकलुश्चप्रिसंविदधनसमलसंवीना ॥ ॥
गमकदहनविम्बुमांससल्लङ्घनश्चकवृद्धनृललायन
लायनलिष्यक ॥ ॥ द्वादशाहज्ज्वालित्वालिक्कउव
दनश्नीलसंहावगगटापुंशनीना ॥ ॥ नागकाम
दा ॥ शुभनीनीरुतजानूनीलसमदहाश्चककलपिन

यनीलीयमवदना ॥ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं जागज
वन्काधलाया ॥ ॥ निविधिगचनदूतिमाहितम
गश्यागारवर्जधत्रिचिदुवदनाथा ॥ ॥ रुत्रिह
वप्रक्रां दुवउमानाश्मानविप्रदूतिसकृत्त्यहन
॥ ॥ विविधितनत्वमोलिलंकृतदहाश्चगत

२५ दिना ॥ १३

विवांष्टि नव वरुल दायकं ॥ ॥ नाग विनाम ॥ उयि
गात्र यियाय वन दृष्टा न श्वल त हृदाम कं कासल लि
ना ॥ ॥ धान दृष्टा न र वा द्वि संल लि श्रूय य नि ली
जन भाद्र ली कृता ॥ ॥ दिने कल म लुल म ध्व ग म
शक नृत्त मृत् न स सव क ली कृता ॥ ॥ दग्ध अजालि

२५ दिना ॥ १४

गदा हय य नि नी हं ता श्र द वा नृ स ल न न सिल न मि ता
॥ ॥ गात्र मिय व दायै गु नृत्त क्ता श्र व द वा ना ही कुं इ
नी ल न मि ता ॥ ॥ नाग यं व म ॥ जयं वा द्य लि हः
नृत्त य न यि श्र स य न स नृत्त ज ग नृत्त ध नि ॥ ॥
नृत्त ग व नि या द्य म ल म हि म लुल नो य न नृत्त

विनिर्

काला २ हा उं ह माला आर्त ह विह विन मयल द्य
लाता विनिं दिन य विनि निन य ना ॥ ॥ कर्कि
न वि व नू ड न ल सिल माला २ व विख द्वां ए व न म द
ठ क ष ॥ ॥ सिल म सिंधूल कं डल रू ला २ क म
निक र्यूल ना म्वाल स य सा लि ॥ ॥ ए न यि स न

न क ड वा रु लि दा सा २ थी व ड द वी प्र ष म द न थी ह न
व या या ॥ ॥ ना ग म्वा ड थी ॥ व कि वू ल क लि ला
व क म य ल र खि न थी व नू ड न ल गिल माला २ थी ल
व कि व कि न यि या र ष म विह विन ग ग ल क
धू नि ना या ॥ ॥ प र र ना थी ह नू वं द मा नू क

व वि व नू ड न ल सिल माला २ थी ल

॥ गताथ श्रीसम्यक्तावा ॥ ॥ वडक गोठ
नचानियाक (पुंरुया उवद्वाग २ संयूट जागि
नयिहाथुं गलमहासुखमनिषुभद ॥ ॥ वडावा
नाहिआलिं गलसम्यक् ननाच विवद्वा विविह नरुंग
इनि कालिनेयाकोट किह नुव नुव नुव नुव नुव नुव

काफा॥

॥चक्रसमननशीउगदावृत्तीमाता२४

नयिअमाद्यदङ्गीनचनिगा॥ॐ॥नागगङ्गा॥

वामयल्यनदहिनकलिं२यायवनीयूनदमासासंय

दिंग॥५॥दवीनावयिचकजटिकजजागिर

दरवीशिरवनययिस॥ ॥कालमृग

नवंधिल२आगदयमाहकलिं२दिता॥

समदवीनिलंजनदवी२पुन्ययाप्रदवीपुन्य

॥शृष्टिसहानदवीकरुनकदवी२माद्रुमागजदवीसव

मज्जननि॥ॐ॥नागसेववी॥जयंजयंवाहलिमय

नम्यगस्कनी२अययदययसंहातपू॥ ५॥

नूनंमूनंभूनहाहंकागनायदिमात्रनिनवान्व॥ ॥
 जिमयनमिनंदहृत्पूज २ जिनजननिनूयवजयागिनी॥
 ॥ जयंजयंहाउआरुनदीसुसाहिना २ कनहिं कषात्रव
 द्वांगधनि ॥ ॥ जयंजयंभीपुष्पधनहिन २
 वनजननविनमाला ॥ ॥ जयंजयंनारवहं

श्रीमन्नारायण॥ २३

संसार २ प्रक्षमा मिवाहलिजुहयवाहलि॥
 ॥ वागकर्षदि ॥ श्रीमंरुनाथवनमहाविनवीजया २
 उहासखअधनिनागवासदथनू ॥ ॥ नमामि २ श्री
 मंरुपुमाला २ जगदिधवनजगत्तुनूहवलयापिना॥
 ॥ पूष्टकधनसूर्यनमगुनूलाया २ श्रीधर्मधनगुसु

॥ १ ॥

न नयालमलुलनरुमा ॥ ॥ जगदनाथ जगदनिर्
जननाया २ सर्वधनु विमानयलिरुनिनंजना ॥ ॥
॥ नागहं वधि ॥ गजजिनउदवहा ॥ ॥ वधविद्या कमल
दुलिधजुहवा नि २ ५ मनुकनठिबुं ॥ ॥ वरुधिधुनवाम
खंडांगकयालजुधना ॥ ॥ ॥ श्रीहिसम्बनलोयावा

चुलिउमजंगुली ॥ ॥ २ मावयि वचाययिया लनमा
या २ सासुहुरुवंदुमडा सिद्धिना ॥ ॥ याधवम
दलवामहमहा ॥ ॥ वधविद्या उन्नवधिलमाला २ न
लहनिगलोहिनकनकारुवचउमयजुतिविकलाल
जुधना ॥ ॥ जालिउयथाहं वचाययिया वका

नोऽनिर्ममवहदयालवक्रध्यापिकजुहिनिसिद्धव
 नजकुमयसाधना॥ ॥आनन्दयनमानन्दविन
 माभ्यसहजावकुनानन्दमयसमूवाश्यनमावीन
 म्यननुदिलमहासुखसुगनसंयदयनप्रापिना॥
 ॥हवजकालवक्रथीवक्रसम्यनजनककाटिसि

२२
 वेष्टय ॥ २२

द्रायानंगताश्चीरुताडित्यानपूर्वगीनिजालधन
 परमहासुखजानह॥ ॥३॥ ॥नागलेलिक॥ विषय
 विषयविनूयवदसंजागहलविदधुलिनाहिक
 मल्लशदहयिजिनविम्बुषामिजनयिसूननवकुजिनि
 आलसमयवधमसयन॥ ॥नममंशुयायं॥

कावचक हवजसम्वत्रविश्वनृत्यंश्ययिमइमसंजाग
 समुवविनासहजआनंदमयअननुर्य॥ ॥वजय
 र्थेअमवृवसमूनतननामसंतिताजुआलयध्यानंरजग
 तइत्यनासनवाधिरुतदायकंआगधर्ममावृणवहि
 र्य॥ ॥गुनवाच्यहृदधनिर्याजुहृदयवलादंविद्यम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७

निमकूटवर्तुल्लिङ्गनाहधनिर्यास्वउचक्रयाप्रसत्रि
 मयत्रमव्यत्रगुर्यैरममावृणानाहहृदयनं॥ ॥
 स्वप्नमायासहसयत्रिणावनाबुद्धधर्मसंघसकलभग
 मिर्यंश्युनववलाणीलधनिर्यागभवंतिसुवववज्जम
 ऊममावृवदसवली॥ ॥ॐ॥नागकर्मदि॥ श्रीमईना

थवममहाविनवीजया २ वडुहामखर्जधनिनागवा
 मदथनु॥ ॐ ॥ नमामि २ श्रीमं रुद्रमाला २ जगदी
 श्वरजगत्पुत्रहृदयपिता॥ ॥ पृष्टकधन
 सरूपमगुनलाया २ श्रीधर्मधामसुनं प्रयालमधु
 वलं रुद्रा॥ ॥ जगत्नाथजगत्नीलजनलाया २

सर्वधामपुत्रविष्णुवयसिगनिर्वजना॥ ॐ ॥ नागका
 माद॥ प्रहलीतहंकावना रुद्रमनुजि ॐ रुद्रनीलसम
 इतिदहा २ विष्णुसुसुतगृष्टिकननं वलमवदका
 धधियं॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवसुवीरं रुद्राष्टीसिन्धुन
 वनं २ विष्णुनाथप्रहृदयपितं वंशनिर्धनक

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

वनं॥ ॥ अनेक जानुहि नित वनवीनं सव्यष्टः
 पुण्ड्रवर्जदधानं वामगर्जनी हृदिया मधुना रवा त्रिगाथा
 नवंधनकरनं॥ ॥ नाना रवस्तु हान नोयनं कलि
 मयलाह विनवदनं २५ दृष्ट कला तलीयमवदनं वि
 हवला लाया प्रवधुवीनं॥ ॥ वीनाधीयति सर्वरुच्य

॥ अनेक जानू सिद्धि नित वनवीनं सव्यष्टः

पुखर्जदधानं दामर्कनीहृदियाभध्वारायात्रिणा

नवंधनवन्नं॥

॥ नाना रस रस हान नोयत्रं कलि

मयलाहपिनवदनं २५ अक्षकलाहलीयेमवदनं जि

हवदालायाप्रवधुवीनं॥

॥वीनाधोयनिसर्वरुय

सुखदुःखसंज्ञा

हृन्दीयतयीष्वादिष्मकमनसाश्चनननज्जादिवं
दिरुयादं सर्वसिद्धिमात्रफलदं ॥ २० ॥ नागकर्ण
दि ॥ श्रीहृन्दीयतयीष्वादिष्मकमनसाश्चनननज्जादिवं
व्यापितार्यववर्द्धदहा ॥ २१ ॥ नसापिश्वयूयूयव
य ॥ श्रीहृन्दीयतयीष्वादिष्मकमनसाश्चनननज्जादिवं

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

पूर्वदीगंमिहरेवनीनवर्षुश्चहिनयाप्रधमिद्वाम
विदुधमा॥ ॥ घममिद्वीनिजागिनिदवीश्गभन्न
किलिन्नाकजहंकायसर्वजा॥ ॐ ॥ नागनामकनि॥
हं हं हं धनुसंसावन्ननुश्चुआलिगलजागधनु॥ ॐ
॥ हं वज्रमुग्रनाहं ननाहं ननाहं नहं हं ॥ ॥ सन्नन

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

मवशीकवन्नदावनुश्चुसमविलयनदहधनु॥ ॥
गवयिमदुटविस्तवयुलाहृदायिश्चनमहंश्च्रीहवज्र
कुम्भयुलाप्रवयि॥ ॐ ॥ नागधनाथी॥ सर्वाकाका
महासूयलायावज्जाननृदहधविश्चिहवन्नरुल्लय
महासूयलायावज्जसूर्ययिमविया॥ ॐ ॥ ननाय

विना नोपनिना हिरवत्तु कथ्वनूपिनी २ सर्वविक
 ल्यविध्वं तनी दवी जूनरु वस्तुन वनदायनी ॥
 अमिता वमस्तु लउदयाने सिद्धि कल्यान नमि वनूपध
 नि २ कलिषद्य वयशंग धात्री प्रसन्नान वनदायनी ॥
 ॥ दिगम्बर मकुट कण्ठ वज्रि वृत्त कलिधायी

२
 म
 २
 २
 २

आवक मयलायी वनूडन नति वमाला ॥ ॥ सर्व
 थागत जननि दवी विन हित लो वज्र लाव २ श्री वज्रया
 गिति विर्लगत धनिया गा वंति सम व सं वज्रया ॥
 वाग को सिक व संत ॥ मधु त्रियु विप्रा इयिनी वृत्ता वा २
 सकन दव वा वंदित या दंग ॥ मे लि आ दि वृ व श्री म

इन्द्रावा २ त्वं अति वंदनीय प्रभु स्वयं ॥
इन्द्रमनुविना सन्न विन विषमा २ तु न्यागं मही न क नूल
वीरुवा ॥ ॥ विषय विषम कूठया वंग मन स २
विषय विषय विन श्री यगु नु स्वयं ॥ ॥ सगु नु
पदमा विंदू आवा २ गम व्रति न वगी क प्रल व दूनी

॥ ॥ ॥ नागना ॥ सक न ऊ ग न सं सा व ह नू या हं
२ सर्व नू य ध व ह ली क ली हं ॥ ॥ ॥ दवी विर व न न
कू अ व ल २ ऊ ग न वृ ह म यं सर्व मि दं नू या हं ॥ ॥
अ हं वृ हि अ हं सि द्वि स्ता व न ऊ ग मा हं २ अ हं मि अ हं
पू न य न पू क का हं ॥ ॥ दवा अ स न न न ऊ न य ऊ

三才圖會

दृष्टि संवीनवीनव्वनाश्च उचक्रय त्रिहृतादवी संय
 टपुहानिगमिना ॥ ॥ प्रसू संयूट जालिकाती
 पदाकाका अति संदलाश्चादवी एककावानः
 मा मिथीयक सम्वना ॥ ॥ सगुवृचनरक्षणी
 लगनध्वर्यनयिगीतथी कूलि ॥ २ दानपतिल

卷二

金剛經

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नययिस्त ॥ ॥ पूर्व उरु नययिस्त म द जिन दिगं
दवी २ ज किनी द्विपिनी च उ सि कं वा ज नी ॥
क दु दि ग र म स ल नं दु द वी २ शिनी न ज द वी ज्ञा च
यि द वी ॥ ॥ हरि रु व व क्का ००० उ नु म न ग १ ६ २
षा द वा द वी स म न सं ला वे ॥ ००० ॥ वा ग ना ट ॥ न मा

ॐ

मि २ जिन धा पु स्व र्यं पु २ शि रु व न न न रू व ध म्म ध
उ वा गी ००० ॥ ॥ न मा मि २ जिन यं व जिन न मा
मु २ द वा र मि द्वा रिं वा रु म हा स र व ला या ॥
स्य जे म ध पा ना व रु व न थो का पो ट क २ ५ व उ नि
वं रु न म हा स नि ध वा ॥ ॥ ध र्म थो मि य ज्ञान

२॥ दानपनिर्जुमानकाष्टमंडमहानगवनामुकानेद्वयपु
३॥ दानपनिर्जुमानकाष्टमंडमहानगवनामुकानेद्वयपु

109 108 107 106 105 104 103 102 101 100

